आमुख

प्रस्तावना

अध्याय एक

राजा सुद्युम्न का स्त्री बनना

अध्याय का सारांश

प्रलय के बाद कृष्ण का अस्तित्व बने रहना

हरे कृष्ण कीर्तन : समस्त मानवता के लिए राहत

व्यक्ति द्वारा नए वस्त्र पहनने की तरह आत्मा द्वारा

नवीन शरीर धारण करना

सुद्युम्न को अपना नर शरीर प्राप्त होना

अध्याय दो

मनु के पुत्रों की वंशावलियाँ

अध्याय का सारांश

पृषध्र की दुर्घटना : गोरक्षा अनिवार्य

कर्म के नियमों से छुटकारा

मस्तिष्कविहीन मानव समाज

अध्याय तीन

सुकन्या तथा च्यवन मुनि का विवाह

अध्याय का सारांश

शान्त घर : वैदिक वैवाहिक आचरण

वैदिक संस्कृति के उच्च मूल्य

ब्रह्मा द्वारा रेवती का पति चुना जाना

अध्याय चार

दुर्वासा मुनि द्वारा अम्बरीष महाराज का अपमान

अध्याय का सारांश

गुरुकुल से नाभाग का घर वापस आना

भौतिकतावादियों द्वारा क्षणिक सुख को सर्वस्व माना जाना

राजा अम्बरीष की पूर्ण भक्ति

अध्यात्मवादी मुख्य कार्यकारी के रूप में

कृष्ण भक्तों की योग में अरुचि

भगवान् की महिमा के प्रसार हेतु भौतिक सम्पदा का उपयोग

अनामंत्रित अतिथि दुर्वासा मुनि

प्रतिद्वन्द्वियों द्वारा प्राय: भक्तों को प्रताड़ना

भगवान् के चक्र का दुर्वासा का पीछा करना

भगवान् अपने भक्तों के वश में क्यों रहते है ?

मुक्ति भक्तों की सेवा करने के लिए स्वत: प्रतीक्षारत

अध्याय पाँच

दुर्वासा मुनि को जीवन-दान

अध्याय का सारांश

अम्बरीष द्वारा भगवान् के चक्र की स्तुति

भगवान् के ज्वलित चक्र से दुर्वासा की रक्षा

अन्तरिक्षयान के बिना अन्तरिक्ष-यात्रा

इस भौतिक जगत में कोई भी पद महत्त्वपूर्ण नहीं

अध्याय छह

सौभरि मुनि का पतन

अध्याय का सारांश

गो-मांसाहार का पूर्ण निषेध

पुरञ्जय द्वारा असुरों पर विजय

राजा युवनाश्व के उदर से पुत्रोत्पत्ति

संभोग के लिए सौभरि मुनि द्वारा अपनी योग-तपस्या का परित्याग

भौतिक इच्छा की ज्वलित अग्नि को बढ़ाना

अध्यात्मवादियों तथा भौतिकतावादियों का परस्पर न मिलना

अध्याय सात

राजा मान्धाता के वंशज

अध्याय का सारांश

इस भौतिक जगत में कष्टभोग अपरिहार्य

अपने पुत्र की रक्षा के लिए हरिश्चन्द्र का संघर्ष

अध्याय आठ

भगवान् कपिलदेव से सगर-पुत्रों की भेंट

अध्याय का सारांश

अपने ही शारीरिक ताप से सगर पुत्रों का मारा जाना

सारे जीव मोहग्रस्त उत्पन्न होते हैं

भगवान् का कोई भौतिक नाम या रूप नहीं

अध्याय नौ

अंशुमान की वंशावली

अध्याय का सारांश

पापमय कर्मफलों का निरस्तीकरण

भगीरथ द्वारा इस संसार में गंगानदी का अवतरण

सुदास को मानव-भक्षी (राक्षस) बनने का शाप

बारम्बार जन्म-मृत्यु के चक्र से छुटकारा

जीवन केवल रसायनों का संयोग नहीं

खट्वांग महाराज को सिद्धि-प्राप्ति

भौतिक जगत के भीतर दिव्य चेतना

परमेश्वर न तो निराकार हैं न शून्य

अध्याय दस

भगवान् रामचन्द्र की लीलाएँ

अध्याय का सारांश

भगवान् का अनेक अवतारों में विस्तार

रामचन्द्र को पिता द्वारा वनवास दिया जाना

भगवान् का दंड आवश्यक क्यों?

भगवान् रामचन्द्र द्वारा अपनी सर्वशक्तिमत्ता का प्रमाण

दिव्य शक्ति बनाम भौतिक शक्ति

राक्षस रावण का अन्त

सतीत्व का पथ

भगवान् रामचन्द्र का विजयी होकर अयोध्या लौटना

ईश्वरविहीन भगवद्धाम एक व्यर्थ आशा

कृष्ण अपने नाम के रूप में उपलब्ध

अध्याय ग्यारह

भगवान् रामचन्द्र का विश्व पर राज्य करना

अध्याय का सारांश

भौतिक लाभ पाने के लिए भगवान् की सेवा

वैकुण्ठ में अनुभूतियाँ

भगवान् असाधारण लीलाएँ क्यों करते हैं ?

भगवान् के आदेशों की पूर्ति

भगवान् के राज्य में अयोध्यापुरी का वैभव

अध्याय बारह

भगवान् रामचन्द्र के पुत्र कुश की वंशावली

अध्याय का सारांश

पूर्ण योगी इच्छित समय तक जीवित रह सकता है

अध्याय तेरह

महाराज निमि की वंशावली

अध्याय का सारांश

महाराज निमि द्वारा भौतिक शरीर धारण करने से इनकार

नश्वर देह समस्त समस्याओं का स्रोत

अस्थायी अनियमित सरकारों का प्रभाव

अच्छाई तथा बुराई दोनों एक क्यों ?

अध्याय चौदह

उर्वशी पर पुरूरवा का मोहित होना

अध्याय का सारांश

अत्रि के हर्ष-अश्रुओं से सोम का जन्म

बृहस्पति की कुलटा पत्नी तारा

उर्वशी तथा पुरूरवा की भेंट

स्वर्गलोक का रहन-सहन पृथ्वी से भिन्न

उर्वशी द्वारा पुरूरवा का परित्याग

भौतिक जगत में स्त्रैण आचरण

त्रेता युग का शुभारम्भ

हरे कृष्ण मंत्र का कीर्तन

अध्याय पन्द्रह

भगवान् का योद्धा-अवतार, परशुराम

अध्याय का सारांश

ऋचीक द्वारा असाधारण दहेज का दिया जाना

अधार्मिक सरकारें नागरिकों को निगल जाती हैं

गोरक्षा पर बल क्यों ?

परशुराम द्वारा कार्तवीर्यार्जुन की सेनाओं का संहार

परशुराम द्वारा कार्तवीर्यार्जुन का वध

क्षमा: ब्राह्मण का विशेष गुण

अध्याय सोलह

भगवान् परशुराम द्वारा विश्व के क्षत्रियों का विनाश

अध्याय का सारांश

परशुराम द्वारा अपनी माता तथा भाइयों का वध

जमदग्नि की क्रूर हत्या

परमेश्वर का शाश्वत संदेश

विश्वामित्र का इतिहास: पद जन्म पर निर्भर नहीं

वर्तमान युग में सामूहिक ह्रास

अध्याय सत्रह

पुरूरवा के पुत्रों की वंशावलियाँ

अध्याय का सारांश

औषधि-विज्ञान के उद्घाटक धन्वन्तरि

राजी के पुत्रों द्वारा इन्द्र के स्वर्गलोक के प्रत्यावर्तन से इनकार

अध्याय अठारह

राजा ययाति को यौवन की पुन: प्राप्ति

अध्याय का सारांश

श्रीमद्भागवत सुनने से भवबन्धन कटता है

देवयानी तथा शर्मिष्ठा में झगड़ा

ज्योतिष संमेल तथा वैदिक विवाह

ययाति को अकाल वृद्धावस्था भोगने का शाप

ययाति का अपने पुत्रों से बुढ़ापे के बदले यौवन की माँग

पुरु द्वारा अपने पिता की वृद्धावस्था तथा अशक्तता स्वीकार्य

सुख मन तथा इन्द्रिय-शुद्धि पर आश्रित

अध्याय उन्नीस

राजा ययाति को मुक्ति-लाभ

अध्याय का सारांश

बकरा तथा बकरी का रूपक

जब पारिवारिक जीवन अंधकूप बन जाता है

उच्च आत्मविज्ञानी की यौन में अरुचि

बारम्बार जन्म-मृत्यु के चक्र में कष्ट भोगना

देवयानी को अपने पति की कृपा से मोक्ष की प्राप्ति

अध्याय बीस

पूरु का वंश

अध्याय का सारांश

शकुन्तला के सौन्दर्य से राजा दुष्मन्त आकृष्ट

यौन जीवन तथा वैदिक धर्म के सिद्धान्त

कृष्ण—समस्त जीवों के बीज

महाराज भरत का राज्य

भरद्वाज का अवैध जन्म

अध्याय इक्कीस

भरत की वंशावली

अध्याय का सारांश

महाभागवत रन्तिदेव

मानव समाज के असली कल्याण-कार्यकर्ता

मोह के प्रभाव को लाँघना

नकली शुकदेव गोस्वामी

अध्याय बाईस

अजमीढ के वंशज

अध्याय का सारांश

महान-तम योद्धा भीष्मदेव

पाँचों पाण्डव-भ्राता

पाण्डु वंश के भावी पुत्रों का वर्णन

मागध वंश का भविष्य

अध्याय तेईस

ययाति के पुत्रों की वंशावलियाँ

अध्याय का सारांश

यदुवंश का वर्णन

परब्रह्म पुरुष हैं—यह तथ्य कुछ ही लोगों को ज्ञात

अध्याय चौबीस

भगवान् कृष्ण

अध्याय का सारांश

कुन्ती द्वारा सूर्यदेव का आवाहन

वसुदेव की पत्नियाँ तथा सन्ताने

भगवान् के अवतार क्यों ?

पृथ्वी को आसुरी भार से छुटकारा दिलाना

भौतिक कल्मष से मुक्ति

भगवान् के सौन्दर्य का दर्शन नित्य उत्सव

परिशिष्ट लेखक परिचय